भारत सरकार **लोक सभा**
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं. 1794**
वाणिज्य विभाग

दिनांक 10 फरवरी, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

कर्नाटक में कॉफी उत्पादकों में आय का संकट

1794. श्री यदुवीर वाडियार:

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने कर्नाटक में, विशेषकर कोडागु में कॉफी उत्पादकों में आय की कमी के संरचनात्मक कारणों का आकलन किया है, जिसमें मूल्य में उतार-चढ़ाव, बढ़ती आदान लागत और जलवायु संबंधी समस्याएँ शामिल हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत **तीन** वर्षों के दौरान मूल्य समर्थन, पुनर्रोपण, जलवायु अनुकूल किस्मों, निर्यात को सुगम **बनाने** और आय विविधीकरण के लिए कोडागु में लागू किए गए कॉफी बोर्ड के कार्यकलापों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार का पारिस्थितिकीय रूप से कमजोर क्षेत्रों में छोटे और सीमांत कॉफी उत्पादकों के लिए क्षेत्र-विशिष्ट स्थिरीकरण या आय संरक्षण ढांचे का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (ग): वर्ष 2024-25 की समान अवधि की तुलना में अप्रैल से दिसंबर 2025-26 की अवधि के दौरान, कोडागु में अरेबिका किस्म की बिना उपचारित सूखी प्रसंस्कृत चेरी कॉफी के औसत फार्मगेट मूल्यों में 65.4% की वृद्धि हुई और रोबस्टा किस्म की बिना उपचारित सूखी प्रसंस्कृत चेरी कॉफी के औसत फार्मगेट मूल्यों में 29.5% की वृद्धि हुई। वर्ष 2024-25 की इसी अवधि की तुलना में अप्रैल से दिसंबर 2025-26 की अवधि के दौरान, अरेबिका किस्म की बिना उपचारित सूखी प्रसंस्कृत चेरी कॉफी में अखिल भारतीय औसत फार्मगेट मूल्यों में 58.6% की वृद्धि हुई और रोबस्टा

किस्म की बिना उपचारित सूखी प्रसंस्कृत चेरी कॉफी के अखिल भारतीय औसत फार्मगेट मूल्यों में 15.2% की वृद्धि हुई।

इसके अतिरिक्त, हमारे देश में कॉफी उत्पादन में वर्ष 2021-22 से 2024-25 की अवधि के दौरान 2.05% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) के साथ लगातार वृद्धि हुई है। इसी अवधि के दौरान भारत से कॉफी निर्यात में 20% सीएजीआर से वृद्धि हुई है और भारतीय कॉफी 125 से अधिक देशों को निर्यात की जा रही है।

कॉफी बोर्ड ने जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में कई उपाय किए हैं, जिनमें जलवायु-प्रतिरोधी, उच्च उपज देने वाली, रोग और कीट प्रतिरोधी कॉफी किस्मों का विकास करना, कृषि प्रौद्योगिकियों का मानकीकरण, उन्नत रोपण सामग्री की आपूर्ति करना, एकीकृत पोषक तत्व, कीट और रोग प्रबंधन पद्धतियां और कटाई के बाद की प्रसंस्करण विधियों में सुधार करना शामिल हैं।

कॉफी बोर्ड अपनी 'एकीकृत कॉफी विकास परियोजना (आईसीडीपी)' योजना के माध्यम से देश के कॉफी क्षेत्र के लाभ के लिए विभिन्न क्रियाकलाप करता है, जिनमें कोडागु क्षेत्र के लाभार्थी भी शामिल हैं, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ, पुराने/कमजोर पौधों का पुनःरोपण; अधिक उपज देने वाली उन्नत किस्मों का विकास; मूल्यवर्धन के लिए सहयोग प्रदान करना; अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों/आयोजनों में भागीदारी करना; क्रेता-विक्रेता बैठकें; उच्च मूल्य और मूल्यवर्धित कॉफी के निर्यात के लिए प्रोत्साहन; क्षमता निर्माण कार्यक्रम; उद्यमिता विकास कार्यक्रम; कॉफी चखने के सत्रों का आयोजन करना और बरिस्ता कौशल पर प्रशिक्षण संबंधी कार्यक्रम शामिल हैं।

आईसीडीपी योजना के तहत पिछले तीन वर्षों (2022-23 से 2024-25) के दौरान कॉफी बोर्ड द्वारा कोडागु क्षेत्र में किए गए क्रियाकलापों का ब्यौरा निम्नवत हैं:

क्र.सं.	**किए गए क्रियाकलाप**	**वित्तीय सहायता (लाख रूपये में)**
1	पुनःरोपण	180.53
2	जल संवर्धन	1775.40
3	गुणवत्ता उन्नयन	767.25

स्रोत: *कॉफी बोर्ड*